

Padma Vibhushan



SHRI MULAYAM SINGH YADAV (POSTHUMOUS)

Shri Mulayam Singh Yadav, a symbol of political awareness of rural India, had given the new dimensions to Indian politics and social life. He always fought for the causes of the common people which will be an inspirational lesson to learn by the new generation.

2. Born on 22nd November, 1939, Shri Yadav, three times Chief Minister of Uttar Pradesh and one time Defence Minister in the Union Government, contested about 23 elections of Lok Sabha and Vidhan Sabha in his political life of 55 years. Due to his political consciousness and decision-making ability, he maintained and enhanced the dignity of these posts. While on one hand he decided to abolish octroi for small traders, on the other hand he took an unprecedented landmark decision of handing over the dead bodies of soldiers martyred on the border to their families. While on the one hand, he abolished the compulsion of English in the competitive examinations of Uttar Pradesh, on the other hand, he had shown a great respect for all the Indian languages.

3. After reviving the socialist movement, Shri Yadav established the Samajwadi Party in 1992 by bringing the scattered socialists of the country on a single platform. With the strength of his understanding of social realities and hard work, he won elections from eastern Uttar Pradesh to western Uttar Pradesh thus formed the Governments in Uttar Pradesh. His wise decisions taken in the interest of the upliftment of women not only increased the respect of women but also established new standards for the governments to come for their interest and welfare and Kanyavidyadhan is one of such scheme in this regard. He has also taken many decisions for a new wind of social change and harmony in Uttar Pradesh.

4. Strengthening the syncretistic current of politics and breaking party boundaries, Shri Yadav has left behind a huge fan following in all the parts of India due to his commitments for the political healthy ideology thus keeping himself away from the narrowness of caste, religion, community, language and region. Personally, he was easily approachable and accessible for the common people and their causes and rendered full help to all of them even political rivals have appreciated for his traits. Struggling against the Emergency, he has also remained in jail for 18 months. On joining the Government, he announced pension and respect for democracy- fighters. His entire Political career has been an example to follow for decades.

5. Shri Yadav was awarded with International Jurist Award by England's prestigious organization 'International Council of Jurist'.

6. Shri Yadav passed away on 10th October, 2022.



श्री मुलायम सिंह यादव (मरणोपरांत)

श्री मुलायम सिंह यादव, ग्रामीण भारत की राजनीतिक चेतना के प्रतीक, ने भारतीय राजनीति और सामाजिक जीवन को नए आयाम दिए। वह हमेशा आम लोगों के हित के लिए लड़ते रहे, जो नई पीढ़ी के लिए एक प्रेरक सीख रहेगी।

2. 22 नवंबर, 1939 को जन्मे, श्री यादव उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री और एक बार केंद्र सरकार में रक्षा मंत्री रहे। उन्होंने अपने 55 वर्ष के राजनीतिक जीवन में लोक सभा और विधान सभा के लगभग 23 चुनाव लड़े। अपनी राजनीतिक सूझ-बूझ और निर्णय क्षमता से उन्होंने इन पदों की गरिमा को बनाए रखा और उसे आगे बढ़ाया। जहां एक ओर, उन्होंने छोटे व्यापारियों के लिए चुंगी समाप्त करने का निर्णय लिया, वहीं दूसरी ओर, उन्होंने सीमा पर शहीद हुए सैनिकों के शव उनके परिवारों को सौंपने का एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक निर्णय लिया। एक तरफ, उन्होंने उत्तर प्रदेश की प्रतियोगी परीक्षाओं में अंग्रेजी की अनिवार्यता को समाप्त किया, वहीं दूसरी ओर, वह सभी भारतीय भाषाओं का बहुत सम्मान प्रदर्शित किया।

3. समाजवादी आंदोलन को पुनर्जीवित करने के बाद, श्री यादव ने 1992 में देश के बिखरे हुए समाजवादियों को एक मंच पर लाकर समाजवादी पार्टी की स्थापना की। सामाजिक सच्चाई की अपनी समझ और कड़ी मेहनत के बलबूते, उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक चुनाव जीते और उत्तर प्रदेश में सरकार बनाई। महिलाओं के उत्थान के उनके सुविचारित फैसलों ने न केवल देश का सम्मान बढ़ाया, बल्कि महिलाओं के हित और कल्याण के संबंध में, आने वाली सरकारों के लिए नए मानदंड भी स्थापित किए। कन्या विद्याधन ऐसी ही एक योजना है। उनके कई निर्णयों से उत्तर प्रदेश में सामाजिक परिवर्तन और समरसता की नई बयार बही है।

4. दलगत सीमाओं से परे जाकर श्री यादव ने राजनीति की समन्वयवादी धारा को मजबूत किया और जाति, धर्म, समुदाय, भाषा और क्षेत्र की संकीर्णता से दूर, उनकी स्वस्थ राजनीतिक वैचारिक प्रतिबद्धता के कारण भारत के सभी हिस्सों में बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक हैं। व्यक्तिगत रूप से, समस्याओं के मामले में, वह आम लोगों के लिए सहज सुलभ थे और उनकी पूरी सहायता किया करते थे। यहां तक कि उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने भी उनके गुणों की सराहना की है। आपातकाल के खिलाफ संघर्ष करते हुए, वह 18 महीने जेल में भी रहे। सरकार में आने पर, उन्होंने लोकतंत्र के लिए लड़ने वालों के लिए पेंशन और सम्मान की घोषणा की। उनका पूरा राजनीतिक जीवन दशकों तक अनुकरणीय रहा है।

5. श्री यादव को इंग्लैंड की प्रतिष्ठित संस्था 'इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट' द्वारा इंटरनेशनल जूरिस्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

6. 10 अक्टूबर, 2022 को श्री यादव का देहावसान हो गया।